नईदुनिया

कनाडा के संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी सबसे आगे, बहुमत से दूर

ओटावा

कनाडा में सोमवार को हुए संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी फिलहाल सबसे आगे पर बहुमत से दूर है। यह पियरे पोइलिव्रे की कंजर्वेटिव पार्टी के लिए तगड़ा झटका है। कनाडा के सीटीवी न्यूज के अनुसार, लिबरल पार्टी ने चुनाव जीत लिया है। वह संख्या के लिहाज से सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है पर बहुमत मिलता नहीं दिख रहा। लिबरल पार्टी के उम्मीदवार 156 जिलों और कंजर्वेटिव पार्टी के उम्मीदवार 145 जिलों में आगे चल रहे हैं। हाउस ऑफ कॉमंस में 343 सीटें हैं। बहुमत की सरकार बनाने के लिए 172 सीटों की जरूरत है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने संसदीय चुनाव में सत्ता बरकरार रखी। अभी ब्रिटिश कोलंबिया के सबसे पश्चिमी प्रांत के नतीजे आने बाकी हैं। लिबरल पार्टी को यहां अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। एंगस रीड इंस्टीट्यूट (पोलिंग फर्म) के अध्यक्ष शाची कुर्ल के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ का कड़ा जवाब देना कार्नी के लिए चुनाव में फायदेमंद रहा। कार्नी ने टैरिफ को लेकर वाशिंगटन के साथ सख्त रुख अपनाने का वादा करते हुए कहा था कि कनाडा को अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अरबों खर्च करने होंगे। कैनेडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्प ने लिबरल पार्टी की जीत का अनुमान लगाया था।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि वे कनाडा में निर्मित कारों पर 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ा सकते हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि वे कनाडा को 51वां राज्य बनाने के लिए आर्थिक बल का उपयोग कर सकते हैं। कनाडा में चुनाव के वक्त भी सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने के अपने आह्वान को दोहराया। सीटीवी न्यूज का कहना है कि कनाडा की दो छोटी पार्टियां न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और ब्लॉक क्यूबेकॉइस सरकार बनाने पर लिबरल पार्टी का साथ दे सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

सऊदी अरब ने अनधिकृत हज यात्रियों के लिए दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू

रियाद। सऊदी अरब के आंतरिक मंत्रालय ने हज परमिट नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों और उनके मददगारों के लिए दंड की घोषणा की है। मंत्रालय ने कहा कि यह दंडात्मक व्यवस्था 28 अप्रैल से लागू कर दी गई है। यह 10 जून तक प्रभावी रहेगी। बिना परमिट के हज करने या कराने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों पर सऊदी रियाल 20 हजार (5,331.43 अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अरब न्यूज अखबार के अनुसार आंतरिक मंत्रालय ने साफ किया है कि विजिट वीजा के लिए आवेदन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर एक लाख सऊदी रियाल तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आर्थिक दंड उन सभी लोगों पर लागू होगा, जो यात्रा वीजा धारकों को निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों पर ले जाते हैं या ले जाने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों को होटल, अपार्टमेंट, निजी आवास, आश्रय या आवास स्थलों सहित किसी भी आवास में आश्रय देने वालों से भी यह आर्थिक दंड वसूला जाएगा। विशेष मामलों में आर्थिक दंड को और भी बढ़ाया जा सकता है। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित अदालत से अनुरोध किया जाएगा कि वह निर्दिष्ट अवधि के दौरान मक्का शहर और पवित्र स्थलों तक यात्रा वीजा धारकों के परिवहन के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों को जब्त कर ले, यदि उनका स्वामित्व ट्रांसपोर्टर, सुविधाकर्ता या किसी सहयोगी के पास है।

इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने की इस्तीफे की घोषणा, 15 जून को पद छोड़ देंगे

तेल अवीव। इजराइल की घरेलू खुफिया सेवा शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने इस्तीफे की घोषणा की है।

वह 15 जून को पद छोड़ देंगे। बार की यह घोषणा कतरगेट की जांच के दौरान आई है। शिन बेट पर सात अक्टूबर के हमास के हमलों को रोकने में विफलता का आरोप भी लग चुका है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस विफलता की सार्वजनिक जांच कराने की घोषणा भी कर चुके हैं। इजराइल की वेबसाइट वाई नेट न्यूज के अनुसार, शिन बेट प्रमुख रोनेन बार ने मेमोरियल डे कार्यक्रम से एक दिन पहले सोमवार शाम घोषणा की कि वह 15 जून को अपना पद छोड़ देंगे। नेतन्याहू ने पूर्व में उन्हें हटाने की कोशिश भी की थी। विश्लेषकों का कहना है कि इजराइल में आतंकवाद-रोधी जांच का जिम्मा संभालने वाली शिन बेट नेतन्याहू की दक्षिणपंथी गठबंधन सरकार के विरुद्ध बढ़ते राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में रही है। नेतन्याहू ने 16 मार्च को कहा था कि वह काफी पहले रोनेन बार पर भरोसा खो चुके हैं। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने रोनेन बार को बर्खास्त करने के सरकार के प्रयास पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी थी। रोनेन ने दावा किया था कि नेतन्याहू उन्हें इसलिए बर्खास्त करना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने इजराइली प्रदर्शनकारियों की जासूसी करने और भ्रष्टाचार के मुकदमे को बाधित करने समेत विभिन्न आग्रहों को मानने से इनकार कर दिया था। इन आरोपों के जवाब में नेतन्याहू ने रोनेन पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था।

भाजपा विदेश विभाग के प्रभारी चौथाईवाले का नेपाल दौरा आज से

काठमांडू। भारतीय जनता पार्टी के विदेश विभाग के प्रभारी विजय चौथाईवाले का नेपाल दौरा आज शुरू होगा। वह 30 अप्रैल से दो मई तक काठमांडू रहेंगे। इस दौरान नेपाल के सभी प्रमुख नेताओं से उनकी मुलाकात संभव है। भाजपा विदेश विभाग के अनुसार, चौथाईवाले की नेपाल के प्रधानमंत्री से लेकर विपक्षी दल के नेताओं से मुलाकात तय की गई है। चौथाईवाले प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, सतारूढ़ गठबंधन के नेता शेर बहादुर देउवा, प्रमुख विपक्षी दल के नेता माओवादी अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड, एकीकृत समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा चौथाईवाले नेपाल के दोनों उपप्रधानमंत्री प्रकाशमान सिंह और विष्णु पौडेल, विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा से भी मुलाकात कर सकते हैं। चौथाईवाले से मधेशी मोर्चा के नेताओं की सामूहिक मुलाकात होनी है है। वह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं।

नुश्की में ऑयल टैंकर में लगी भीषण आग चालक की मौत, 40 से अधिक घायल

नुश्की (बलूचिस्तान)

बलूचिस्तान के नुश्की जिले में सोमवार की रात एक ऑयल टैंकर में भीषण आग लगने के बाद हुए विस्फोट में चालक की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग झुलसने से घायल हो गए। इस घटना की पुष्टि नुश्की के डिप्टी कमिश्नर अमजद हुसैन ने की है। डिप्टी कमिश्नर के अनुसार, हादसे में गंभीर रूप से घायल 26 व्यक्तियों को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती द्वारा उपलब्ध कराई गई एयर एंबुलेंस के जरिये क्वेटा स्थानांतरित किया गया है। पुलिस के मुताबिक, एक डिपो में खड़े तेल भरे टैंकर पर वेल्डिंग का काम चल रहा था, तभी अचानक उसमें आग लग गई। संभावित बड़े हादसे को टालने के प्रयास में टैंकर चालक जलते वाहन को टर्मिनल से बाहर खुले मैदान में ले गया, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया।

चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और टैंकर में जोरदार विस्फोट हो गया, जिससे 40 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में एक डीएसपी और तीन अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जो नागरिकों को घटनास्थल से हटाने के प्रयास में लगे थे। घटना में एक फायर ब्रिगेड वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि नुश्की में इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों को गंभीर रूप से जलने की चोटें आई हैं। घायलों के इलाज के लिए क्वेटा के अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि इस दुखद घटना में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

यूएन महासचिव ने भारत और पाकिस्तान से तनाव बढ़ाने से बचने का आग्रह किया

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत और पाकिस्तान से सैनिकों के बीच गोलीबारी की खबरों के मद्देनजर उपमहाद्वीप में तनाव बढ़ाने से बचने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने इस बात की जानकारी दी है। उप-प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि वह दोनों सरकारों से अधिकतम संयम बरतने और तनाव बढ़ाने से बचने का आग्रह करते हैं। उन्होंने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा कि यूएन महासचिव भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं। जटिल मुद्दों को भी सार्थक बातचीत से शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जा सकता है भारतीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि सोमवार को लगातार चौथे दिन पाकिस्तानी सेना ने जम्मू और कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसका भारतीय सैनिकों ने तुरंत और प्रभावी ढंग से जवाब दिया। संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह (यूएनएमओजीआईपी) उस क्षेत्र में मौजूद नहीं है, जहां यह हमला हुआ। इस बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने एक टीवी चैनल से कहा कि दोनों देशों के बीच टकराव का तत्काल खतरा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि महासचिव का दृढ़ विश्वास है कि सबसे जटिल मुद्दों को भी सार्थक और रचनात्मक बातचीत से शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वे दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य किसी भी पहल का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, जो बातचीत को बढ़ावा देती है और इसे फिर से शुरू करती है।

इजराइल ने कश्मीर हमले को बताया अस्वीकार्य, पाक पर सख्त रुख

मुंबई

इजराइल के राजनयिक ने कहा, पाकिस्तान को आतंकी गतिविधियों से निपटने की जरूरत

मध्य-पश्चिम भारत में इजराइल के महावाणिज्य दूत कोब्बी शोशनी ने हाल ही में कश्मीर में हुए आतंकी हमले को अस्वीकार्य करार देते हुए कहा कि वहां से सामने आईं तस्वीरें अत्यंत दिल दहला देने वाली हैं। उन्होंने पाकिस्तान से कश्मीर में जारी आतंकी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण करने की अपील की। कोब्बी शोशनी ने कहा, भारत और इजराइल के बीच संबंध गहरे और अटूट हैं।

यह केवल सरकारों या नेताओं तक सीमित नहीं, बल्कि दोनों देशों की जनता के बीच भी एक मजबूत बंधन है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, जो कुछ हमने कश्मीर में देखा, वह एक इंसान, एक दोस्त और भारत के भाई के तौर पर हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। तस्वीरें देखकर गहरा दुख हुआ।

पाकिस्तान को सीधे तौर पर संबोधित करते हुए शोशनी ने कहा, पाकिस्तान को कश्मीर में उसकी ओर से हो रही आतंकी गतिविधियों से निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने भारत की विदेश नीति की भी सराहना करते हुए कहा, भारत बहुत ही कुशलतापूर्वक और चतुराई से कूटनीतिक मोर्चे पर काम कर रहा है।

इजराइली राजनयिक के इस बयान ने भारत-इजराइल के घनिष्ठ संबंधों को एक बार फिर मजबूती से रेखांकित किया है। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर लगातार एकजुटता दिखाई है।

कनाडा में भारतीय छात्रा वंशिका की मौत पर उच्चायोग ने दुख जताया

कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने भारतीय छात्रा वंशिका सैनी की मौत पर दुख जताया है। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर कहा, ओटावा में भारत की छात्रा वंशिका की मौत की सूचना पाकर हम बहुत दुखी हैं। स्थानीय पुलिस के अनुसार मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया गया है और मामले की जांच की जा रही है। भारतीय उच्चायोग ने कहा, हम हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए शोक संतप्त परिजनों और स्थानीय सामुदायिक संघों के साथ निकट संपर्क में हैं। उल्लेखनीय है कि वंशिका ढाई साल पहले भारत से कनाडा पढ़ाई के लिए आई थी। वह ओटावा में एक शैक्षणिक संस्थान में स्टडी कर रही थी। वह 25 अप्रैल को रात करीब नौ बजे किराये का कमरा तलाशने के लिए घर से निकली थी।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में आतंकवाद पर पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाई

न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र में सोमवार को आतंकवाद के शिकार संघों के नेटवर्क की समारोहपूर्वक स्थापना की गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजन पटेल ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाते हुए उसकी निंदा की।

योजना पटेल ने कहा कि पाकिस्तान ने इस मंच का दुरुपयोग कर दुष्प्रचार में लिप्त होने और भारत के खिलाफ निराधार आरोप लगाने का प्रयास किया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक विशेष प्रतिनिधिमंडल ने इस मंच का दुरुपयोग करने और इसे कमजोर करने का विकल्प चुना। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया ने हाल ही में एक टेलीविजन साक्षात्कार में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ को आतंकवादी संगठनों को समर्थन, प्रशिक्षण और धन देने के पाकिस्तान के इतिहास को स्वीकार करते हुए सुना है। योजना पटेल ने कहा कि यह खुला कुबूलनामा अब आश्चर्यचकित नहीं करता बल्कि पाकिस्तान को एक दुष्ट राज्य के रूप में उजागर करता है। पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। दुनिया अब और आंखें नहीं मूंद सकती। संयुक्त राष्ट्र की न्यूज वेबसाइट के अनुसार, यह नेटवर्क सितंबर 2022 में आयोजित आतंकवाद के पीड़ितों की पहली संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कांग्रेस का महत्वपूर्ण परिणाम है। इस मौके पर आतंकवाद-रोधी मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव व्लादिमीर वोरोनकोव ने राष्ट्रीयता, जातीयता या धर्म की परवाह किए बिना सभी पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की और उनके साहस और लचीलेपन को श्रद्धांजलि दी। स्पेन के विदेशमंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस ब्यूनो, आतंकवाद पीड़ितों के मित्रों के समूह के सह अध्यक्ष अब्बास कदोम ओबैद अल-फतलावी और युगांडा की ग्रेस एकन ने भी विचार रखे।

वायरल वीडियो पर मचे हंगामे के बाद बोला तुर्की- हमने पाकिस्तान को हथियार नहीं दिए

अंकारा

भारत पाकिस्तान की तनातनी के बीच एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें दावा किया गया है तुर्की ने पाकिस्तान को हथियारों की एक खेप भेजी है। यह माल वाहक विमान कराची में उतारा गया है। इस पर मचे हंगामे के बाद तुर्की ने सफाई देते हुए कहा कि हमने पाकिस्तान को कोई हथियार नहीं भेजे हैं और दोनों देशों को मिलकर तनाव कम करना चाहिए। यह बयान तब आया है जब सोशल मीडिया पर खबरें वायरल हो रही हैं कि तुर्की का एक सैन्य परिवहन विमान सी-130ई हरक्यूलिस कराची में उतरा, जिसमें कथित तौर पर सैन्य उपकरण थे।

तुर्की के राष्ट्रपति संचार निदेशालय ने स्पष्ट किया कि विमान केवल तेल भरने के लिए पाकिस्तान में रुका था और इसका कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था। सोमवार, 28 अप्रैल को अरब सागर के ऊपर उड़ान भरते हुए देखे गए इस विमान ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच व्यापक अटकलों को जन्म दिया। कुछ मीडिया रिपोर्टों ने दावा किया गया कि करीब छह सी-130ई विमान पाकिस्तान में उतरे।

हालांकि, तुर्की ने इन दावों को निराधार बताया और कहा, पाकिस्तान में एक कार्गो विमान केवल ईंधन भरने के लिए रुका था और फिर अपनी यात्रा पर आगे बढ़ गया। अधिकृत व्यक्तियों और संस्थानों के बयानों के बिना की गई अटकलों पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

तुर्की और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुई है। तुर्की पाकिस्तान को ड्रोन और अन्य सैन्य उपकरणों की आपूर्ति करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश है। फिर भी, इस ताजा घटना में तुर्की ने स्पष्ट रूप से किसी भी सैन्य सहायता से इनकार किया है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है।

तुर्की के एर्दोआन भी कर रहे अपील

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने की अपील की है। यह बयान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के बीच बढ़ी तनातनी के मद्देनजर आया है। इस हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी।अंकारा में एक कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एर्दोआन ने कहा, हम नहीं चाहते कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव गंभीर स्तर तक पहुंचे। हम दोनों देशों से आग्रह करते हैं कि वे स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने पाकिस्तानी जनता के प्रति तुर्की के मजबूत समर्थन की भी पुष्टि की।